भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 520
24/07/2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

मौसम विभाग की दक्षता में वृद्धि

520. डा. अजित माधवराव गोपछडे:

क्या **पृथ्वी विज्ञान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार मौसम विभाग की कार्यकुशलता और कार्यप्रणाली को बेहतर बनाने के लिए कोई विधेयक लाने पर विचार कर रही है, यदि हाँ , तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या मंत्रालय को कोरिया, केन्या, तुवालु, तंजानिया, नाउरू और वनुअतु जैसे कुछ विदेशी सरकारों द्वारा मौसम विभाग की कार्यकुशलता से जुडे विधेयकों की जांच के संबंध में कोई अभ्यावेदन प्राप्त हुए हैं और क्या उन पर विचार किया गया है, यदि हॉ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) मौसम विभाग में दक्ष पेशेवरों को आकर्षित करने तथा स्थानीय मौसम पूर्वानुमान की सटीकता पर प्रौद्योगिकी के प्रभाव से संबंधित अनुसंधान गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) हाल ही में, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ने (i) भारत में मौसम संबंधी सेवाओं के प्रावधान और इसमें शामिल एजेंसियों की भूमिका और (ii) प्रभावी मौसम संबंधी सेवाओं को बेहतर बनाने और प्रदान करने के लिए अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देने के लिए कानूनी ढांचे के निर्माण के लिए भारत सरकार के विधायी विभाग के प्रतिनिधियों सहित विभिन्न संगठनों के सदस्यों वाली एक समिति का गठन किया है।

(ख) जी हाँ। विश्व मौसम विज्ञान संगठन (WMO) ने सुझाव दिया है कि सभी सदस्य देश जल-मौसम विज्ञान संबंधी सेवाओं के लिए कानून/अधिनियम/नीति विकसित करें। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा गठित समिति अन्य देशों में इस संबंध में लागू कानूनों का संज्ञान लेकर उनकी जाँच करेगी।

(ग) मौसम विभाग में कुशल पेशेवरों को आकर्षित करने और सटीक स्थानीय मौसम पूर्वानुमानों पर प्रौद्योगिकी के प्रभाव से संबंधित अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ाने के लिए, आईएमडी ने पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के समन्वय में निम्नलिखित कदम उठाए हैं:

- जन जागरूकता कार्यक्रम।

- विभिन्न विश्वविद्यालयों और संस्थानों के साथ एकीकृत शैक्षणिक कार्यक्रम। केंद्र, राज्य और निजी विश्वविद्यालयों के साथ नियमित संपर्क और समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर, और स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों को इस विभाग में दूरस्थ रूप से और ग्रीष्मकालीन परियोजनाओं के माध्यम से काम करने के लिए डेटा और एचपीसी साझा करना।

- राज्य और केंद्रीय विश्वविद्यालयों, आईआईटी आदि के सहयोग से, स्नातकोत्तर और पीएचडी कर रहे युवा छात्रों को आकर्षित करने के लिए, मानसून मिशन, मिशन मौसम, थंडरस्टॉर्म रिसर्च टेस्टबेड आदि जैसी विशिष्ट वैज्ञानिक अनुसंधान परियोजनाएँ कार्यान्वित की जा रही हैं।

- आईएमडी, छात्रों की भागीदारी के माध्यम से अवलोकन करने के लिए AWS, ARGs और अन्य मौसम संबंधी वेधशालाएँ स्थापित करने के लिए निजी और सरकारी विश्वविद्यालयों को भी हर संभव सहायता प्रदान कर रहा है।

- आईएमडी युवा शोधकर्ताओं के लिए परियोजना वैज्ञानिकों और अनुसंधान स्कॉलर पदों के लिए नियमित रूप से विज्ञापन देता है। इस प्रकार, अनुभवी मानव संसाधनों का एक समूह विकसित किया जा रहा है, जो पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के विभिन्न संगठनों में भावी कार्यबल के चयन को सुगम बनाता है।

- आईएमडी और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अन्य संस्थान मौसम और जलवायु सेवाएं प्रदान करने की अपनी क्षमताओं को बनाए रखने और बढ़ाने के लिए वैज्ञानिक सहायक और वैज्ञानिक बी और वैज्ञानिक सी के स्तर पर कर्मचारियों की समय-समय पर भर्ती करते रहे हैं।

- आईएमडी का प्रचालन और अनुसंधान गतिविधियों के लिए भारतीय वायु सेना, भारतीय नौसेना, तटरक्षक बल और भारतीय सेना जैसी अन्य सरकारी एजेंसियों के साथ आपसी सहयोग और समझ भी है।

****